

समय के इशारे को समझें...



राजयोगिनी ब.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

- गतांक से आगे...

जैसा कि आपने पिछले अंक में पढ़ा कि जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता जाता है वैसे-वैसे हमारा अशरीरीपन का अभ्यास बढ़ना चाहिए या कम होना चाहिए? बढ़ना चाहिए ना। लेकिन हाँ दुनिया की परिस्थितियाँ भी ऐसी आ रही हैं जो क्या कर देती हैं? हिला देती हैं। और उस समय भूल जाते हैं कि अशरीरी होना है। तो स्मृति और विस्मृति का खेल होगा बस अंतिम समय।

ये पहली ऐसी यूनिवर्सिटी है दुनिया के अन्दर जिसका पेपर पहले से आउट हो जाता है। और इतना ही

हमें खुद ही खुद के चेकर बनना है...

नहीं क्वेश्चन पेपर तो आउट हो ही गया लेकिन उस क्वेश्चन पेपर में जो उत्तर देने वाले हैं वो भी हम खुद हैं। क्वेश्चन मालूम होने के बाद भी अगर अभ्यास नहीं हुआ तो जो हमारा अभ्यास होगा

कहा बाबा ने पेपर आउट कर दिया है तो आप अपनी कमजोरी को तो देखो कि हमारी कमजोरी कहाँ है? और उस कमजोरी में हमें अपने ही ऊपर विजय पाना है। क्योंकि पेपर के चेकर हम खुद ही हैं। और उस घड़ी अगर पास हुए तो खुशी होगी, और अन्दर से निकलेगा कि मैं पास हो गई। और अगर उस घड़ी फेल हो गये तो खुशी खत्म। और आयेगा फेल हो गये। तो इसीलिए जैसे ही ये संकल्प आयेगा क्या करें फेल हो गये। बस वो आपका जो डिजीजन होगा पास या फेल का, वही फाइनल है। इसलिए कहा कि यहाँ पेपर भी आउट है रिजल्ट हमारे हाथ में है कि हमें क्या करना है? समय हमको मिला हुआ है। जिस तरह स्कूल में भी, कॉलेज में भी जब पढ़ाई पढ़ा दिया तो फिर रिवीजन के लिए समय दिया जाता है। तो ये जो समय हमारा रिवीजन के लिए है। तो अब हमें क्या करना है? अपनी ही कमजोरी के ऊपर विजयी होना है। कितनी कमजोरी होगी? एक, दो, तीन कितनी होंगी? कम से कम। हमें अभी से उसके बारे में सोचना

अंतिम पेपर होगा हमारी अपनी कमजोरी। जिसकी जो कमजोरी होगी वो कमजोरी ही उसका पेपर लेने के निमित्त बनेगी। अब उसकी कमजोरी अगर मोह होगा तो मोह पेपर के रूप में आयेगा, उसकी कमजोरी अगर अभिमान होगा तो पेपर अभिमान के रूप में आयेगा। इसलिए कहा बाबा ने पेपर आउट कर दिया है तो आप अपनी कमजोरी को तो देखो कि हमारी कमजोरी कहाँ है?

होगा अगर ये कमजोरी ही हमारे अंतिम पेपर का रूप लेंगी तो पहले से ही उसके बारे में हमें उसको निकालने का पुरुषार्थ करना होगा। ये समय का इशारा है। तो ये प्रैक्टिकल प्लेन इस साल के लिए हमें अपने लिए बनाना है। तो कमजोरी की लिस्ट निकालो कि कितनी कमजोरी है। जैसे ही वो लिस्ट

निकालो तो ये नहीं कि मधुबन जायेंगे, बाबा के कमरे में जायेंगे और बाबा को चिटकी लिखेंगे कि बाबा आज से हम ये कमजोरी दान करके जा रहे हैं। तो ये कमजोरी निकल जायेगी, ऐसे कोई कमजोरी निकलती है? नहीं।

मान लो कि यहाँ अंधेरा हो और कोई व्यक्ति कहे कि इस अंधेरे को निकालो। अंधेरा निकलता नहीं है। क्योंकि अंधेरे का कोई स्रोत नहीं है। लेकिन प्रकाश का स्रोत है। अंधेरे को जलाया नहीं जाता है। कई सोचते हैं कि हम अपने पुराने संस्कारों को जला दें लेकिन अंधेरे को कैसे जलायेंगे? प्रकाश का स्रोत है। प्रकाश जलाओ तो अंधेरा अपने आप दूर हो जाता है। ठीक इसी तरह मेरे जीवन में ये कमजोरी अगर आई तो क्यों आई? कोई न कोई शक्ति का अभाव है। शक्ति का स्रोत है भगवान सर्वशक्तिवान। जैसे बाबा ने एक मुरली में कहा कि क्रोध एक कमजोरी है लेकिन सोचो कि ये क्रोध रूपी कमजोरी मेरे जीवन में क्यों आई? कौन-सी शक्ति का अभाव है? तो बाबा ने बताया उसमें कि शांति की शक्ति का अभाव, सहन शक्ति का अभाव और तीसरी है अधीरता। कई होते हैं जल्दी करो, जल्दी करो, और अगर कोई नहीं करता है तो गुस्सा आता है। धीरज नहीं है। तो धैर्यता की कमी। अब आइडेंटिफाय किया कि क्रोध रूपी कमजोरी जो है वो इन तीन शक्तियों के अभाव के कारण है। अब क्या करें? - क्रमशः



सोनीपत से.15-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में आयोजित योग शिविर में सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. प्रमोद दीदी ने सभी को योग व राजयोग के बारे में बताने के साथ ही नियमित रूप से इसका अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।



जोधपुर से.17-राज. ब्रह्माकुमारीज शिव वरदानी भवन सेवाकेंद्र में आने पर आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा के पश्चात् एस.पी. ईस्ट छवि शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शीला दीदी और ब्र.कु. मीनू बहन।



गुरुग्राम-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज के सिधरावली सेवाकेंद्र में ओम शांति रिट्रीट सेंटर एवं मेदांता हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट, नेत्र जाँच एवं फिजियोथैरेपी की गई तथा साथ ही दवाइयाँ वितरित की गई। इस मौके पर मेदांता हॉस्पिटल के डॉ. हिमांशु पुनिया, डॉ. विजय कुमार, डॉ. पवन, टेक्नीशियन रोहित, अमन शर्मा, विकास, नर्सिंग स्टॉफ, शिविर प्रबंधक देशराज, ओआरसी से डॉ. दुर्गेश, सिधरावली के पूर्व सरपंच राम अवतार तथा ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे। शिविर का 100 से भी अधिक लोगों ने लाभ लिया।



जयपुर-वैशाली नगर(राज.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम के सहयोग से चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर, शहर की मेयर सौम्या गुर्जर, राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी तथा अन्य गणमान्य लोगों सहित बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।



ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ज्ञान सरोवर के हार्मनी हाल में ब्रह्माकुमारीज न्यायविद प्रभाग द्वारा 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा न्यायविदों का आंतरिक संवर्धन' विषय पर आयोजित अखिल भारतीय न्यायविद सम्मेलन में मुख्य अतिथि ओडिशा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आर.के. पटनायक, ओडिशा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शशिकांत मिश्रा, ब्रह्माकुमारीज संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी, संस्थान के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई, ब्रह्माकुमारीज न्यायविद प्रभाग की अध्यक्ष राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी, ब्रह्माकुमारीज न्याय विद प्रभाग के उपाध्यक्ष न्यायमूर्ति बी.डी. राठी, ब्र.कु. नथमल भाई तथा न्याय विद प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. श्रद्धा बहन सहित देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में हाई कोर्ट के न्याय मूर्ति एवं अनेक एडवोकेट्स शामिल रहे।



यूरोप। शांतिवन के राजयोगी ब्र.कु. आत्म प्रकाश भाई ने ईश्वरीय सेवार्थ अपने यूरोप भ्रमण के दौरान पेरिस, रोमानिया, स्विट्जरलैंड सहित अन्य देशों में स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर जाकर वहाँ के ब्र.कु. भाई-बहनों एवं शहर के अन्य लोगों को ईश्वरीय ज्ञान देकर एवं राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराकर लाभान्वित किया।



खूँटी-झारखंड। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एसएसआई श्याम कुमार, फादर संदीप बारला, पतंजलि जिला प्रभारी उपेंद्र नारायण, ब्र.कु. अंजिता बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।